

एक नजर इधर भी

विश्वास और प्रेम से ही मिलते हैं प्रभु

भक्ति के मार्ग में पहले विश्वास जागृत होता है और उसके बाद प्रेम की अनुभूति होती है। जब मन में भगवान के प्रति विश्वास और प्रेम उत्पन्न



होता है, तभी व्यक्ति पूरी तरह प्रभु के प्रति समर्पित हो पाता है। उक्त उद्गार पंडित रविशंकर ठाकुरने व्यक्त किये। बुधवार मुकीमगंज स्थित शंकर सरदार का बाड़ा में आयोजित गोवर्धन पूजा समिति एवं हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसाइटी के सहयोग से मानव सत्य सनातनी समिति की ओर से आयोजित कथा में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव का प्रसंग का विधिवत वर्णन किया गया। भगवान को पाने के लिए सबसे पहले मन में विश्वास होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मन तो जाओ मम बिनु विश्वास अर्थात बिना विश्वास के भगवान की प्राप्ति संभव नहीं है। कथा में अशोक यादव अध्यक्ष यादव धर्मशाला काशी, सीताराम यादव, डाक्टर प्रभा रानी, गणेश केशरी सहित सैकड़ों महिलाओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

ईको वॉयस में हुई वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा

डीएवी पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बुधवार को स्टूडेंट सेंट्रिक फोरम के तहत ईको वॉयस में बी.ए. तथा एम.ए. के छात्र छात्राओं द्वारा वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें छात्र एवं छात्राओं ने वैश्विक आर्थिक समस्याओं एवं चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए



जिसमें सूर्याश ने सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग तथा भारत में सेमीकंडक्टर के अवसर का अर्थव्यवस्था में होने वाले प्रभाव का मूल्यांकन किया। छात्रा मुस्कान यादव ने ई कचरे से वैश्विक समस्या को आर्थिक अवसर की दिशा के रूप में बताया। वहीं आलोक ने ब्रिक्स और ग्लोबलासाउथ के संबंधों पर चर्चा की। अनुराधा चौधरी ने ब्रिक्स और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव की चर्चा की। दिव्या और प्रज्ञा ने टैरिफ युद्ध के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों की विवेचना की। आदित्य सिंह ने यूरोप और एशिया के बीच व्यापार के कार्णों एवं सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का वर्णन किया। अंशुमान ने युद्ध में प्रयुक्त मशीनरी का आर्थिक लाभ के रूप में और भारत के संदर्भ में विश्लेषण भी किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनूप मिश्रा, डॉक्टर मयंक कुमार सिंह, डॉक्टर पारुल जैन, डॉक्टर सिद्धार्थ सिंह, डॉक्टर आहुति सिंह शामिल रहे। संचालन डॉक्टर शालिनी सिंह ने किया।

विद्यार्थियों को विधि शिक्षा के व्यापक स्वरूप से कराया अवगत

गंगापुर स्थित महाराज बलवंत सिंह पी.जी. कॉलेज के विधि विभाग में बुधवार को एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर अजय कुमार पूर्व, विधि संकाय प्रमुख, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को विधि शिक्षा के व्यापक स्वरूप तथा एक विधि विद्यार्थी के रूप में अध्ययन, अनुशासन, तार्किक चिंतन एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के महत्व से अवगत कराया। प्रोफेसर अजय कुमार ने विद्यार्थियों को विधि के अध्ययन को केवल परीक्षा एवं उपाधि प्राप्त करने तक सीमित न रखते हुए न्याय, संविधान, मानवाधिकार और सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यापक दृष्टि से समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर पुरुषोत्तम सिंह, डाक्टर संजीत कुमार आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता के प्रति छात्रों को किया जागरूक

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत बुधवार को पंजाब नेशनल बैंक, अंचल कार्यालय की ओर से चिरईगंवा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय चांदपुर में छात्र उद्घोषण एवं पोथारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान अंचल प्रबंधक दीपक सिंह ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ अपने विद्यालय, घर एवं आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक



अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की जीवनशैली का अभिन्न अंग होनी चाहिए। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक, वाराणसी क्षेत्र की ओर से विद्यालय को दीवार घड़ी भेंट की गई। छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन सामग्री भी वितरित की गई। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती कल्पना तिवारी को जेड प्लांट भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं का भी सम्मान किया गया। विद्यालय में कार्यरत रसोइयों को पंजाब नेशनल बैंक की ओर से टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया।श्रीमती शालिनी कुष्णम् ने भी विद्यालय में निरंतर आते रहने तथा विद्यालय के विकास एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति में हसंसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

दो अक्तूबर को लगेगा निःशुल्क आँठों चिकित्सा शिविर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर हिंदू सेवा सदन चिकित्सालय बास फाटक में निःशुल्क आँठों चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अविनाश कुमार मिश्रा मरीजों का निःशुल्क प्रशिक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श देंगे। शिविर प्रातःकाल आठ बजे से मध्यह्न १२ तक चलेगा। यह जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री राजेंद्र मोहन साह ने बताया कि शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर नरेन्द्र प्रताप सिंह करेंगे।

सोनियाकी गन्दगी बनी हेरिटेज स्थल

कूड़ाघर, छुट्टा पशु, बन्दर और खौफनाक कुत्ते बनेंगे साक्षी

सोनियाकी गन्दगी, कूड़ा, छुट्टा पशु, खौफनाक बन्दर, कुत्ता क्या हेरिटेजमें शामिल हो जायेगा। नगर निगम मुख्यालयसे लगभग डेढ़ किलोमीटरकी दूरीपर सफाई व्यवस्थापर बार-बार प्रश्नचिह्न लग रहा है।



हद तो तब हो गयी जब औरंगाबाद-सोनिया स्थित कूड़ाघर के कुछ पहले यात्रियों, श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय नागरिकोंको भ्रम होता है कि सड़कपर कूड़ा है कि सड़कपर कूड़ा है। इसी स्थानसे डेढ़ किलोमीटरसे ज्यादा लक्ष्मी मन्दिर और वहाँसे डेढ़ से दो किलोमीटर दूरीपर काशी विश्वनाथ धाम और गंगाका दशाश्वमेध घाटकी दूरी पड़ती

है। इस रास्तेको सीएम ग्रिडकी फण्डसे लगभग डेढ़से दो वर्षके भीतर मरम्मत कराया गया लेकिन घटिया सामान और घटिया निगरानीके कारण वर्तमान समय पैदल चलने योग नहीं रहा गया। हल्की



बरसातमें सीवर ओवरफ्लो होना आम बात हो गया है। कूड़ाघरके पास भारी संख्यामें छुट्टा पशुएं दिखायी देंगी जिनपर नियन्त्रण करना पशु चिकित्सा अधिकारीके लिए असंभव सा कार्य है। उल्लेखनीय है कि दो अक्तूबर गांधी जयन्तीके अवसरपर जहाँ लोग स्वच्छ काशी और सुन्दर काशीके लिए संकल्प लेंगे और

साफ-सुथरा जगहपर श्रमदान करते हुए अपनी योग्यताका परिचय देंगे। लेकिन शायद ही इस प्रकारके जगहोंपर लोग पहुंच कर स्वच्छताका संदेश देने की हिम्मत न कर सकें। जहाँसे चन्द दूरीपर दो-दो पूर्वमें एक



वर्तमान महापौरका निवास स्थान है लेकिन जनताको इससे कोई राहत नहीं मिल रही है। अच्छा तो यही होता जब इसी आधिकारिक तौरपर गन्दगीका हेरिटेज स्थल घोषित कर दिया जाता। जर्जर सड़क, गलियाँ, सीवर ओवरफ्लो, कूड़ा उठान सब कुछ कागजोंपर चल रहा है जबकि कैप्ट विधानसभा क्षेत्रका यह महत्वपूर्ण जगह है।

श्रीराम के विवाह में भगवान शिव ने बजाया डमरू

अयोध्यावासी बने बाराती, जनकपुर में चारों भाइयों का हुआ विवाह

रामनगर। जनकपुर में धनुष यज्ञ संपन्न होने के बाद जब राजा जनक के निमंत्रण पर बारात लेकर दशरथ जनकपुर पहुंचे और वहां श्रीराम का विवाह शुरू हुआ तो भगवान शंकर बैल पर सवार होकर पहुंचे और उन्होंने डमरू बजाया। जिससे पूरा माहौल हर हर महादेव के जयकारों से गुंज उठा। भगवान शिव ने सीताराम के विवाह को जगत के लिए मंगलकारी बताया। जिसे सुनकर देवता उनकी जयकार करने लगे। जब श्रीराम के बारात की तैयारी के बाद अयोध्या से बारात निकली तो पूरी अयोध्यावासी बाराती बनकर जनकपुर पहुंचे। वहां श्रीराम समेत भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का



के जनकपुर पहुंचने पर वहां जनक ने उनका भव्य रूप से स्वागत किया। सोने के कलश में जल और थाल मे एक से बढ़कर एक पकवान सजाकर जनवासे भेजा। वह बारातियों का स्वागत करने स्वयं पहुंचे। जनवासा खूब अच्छे ढंग से सजाया गया था। बारात आने की खबर पाकर राम और लक्ष्मण जनवासे में पहुंचे और सभी से भेंट मुलाकात किया। श्रीराम के विवाह का लग्न विचार करके ब्रह्मा ने पत्रिका नारद जी के हाथों पहले ही दशरथ के पास भेज दिया था जिसे देख कर जनक के ज्योतिषियों को बहुत आश्चर्य हुआ। ज्योतिषियों ने विवाह का शुभ मुहूर्त होने पर सभी को विवाह मंडप में बुलाया। सखिया सीता को लेकर मंडप में पहुंची। राम और सीता एक दूसरे को तिरछी निगाहों से देखते रहे। मंगलाचरण प्रारंभ हुआ जनक, दशरथ, विश्वामित्र और गुरु वशिष्ठ अपने आसन पर बैठे। चांदी के थाल में जनक ने पत्नी सुनैना के साथ राम सीता का पांव पांच बार धोकर नेत्रों से लगाया। वर कन्या का हाथ एक दूसरे को थमाया गया। शाखोच्चार के बाद कन्यादान एवं सिंदूर वंदन का कर्म हुआ। वशिष्ठ की आज्ञा से मांडवी, उर्मिला, श्रुतिकीर्ति तीनों कुंवारियों को बुलाया गया। उनका विवाह भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के साथ संपन्न हुआ। दशरथ पुत्रों और बड़ों को देखकर बड़े



विवाह हुआ। राजा जनक का दूत जब विवाह का निमंत्रण लेकर अयोध्या पहुंचा तो उस समय दशरथ जब से विश्वामित्र उनके पुत्रों राम और लक्ष्मण को लेकर अपने साथ गये तब से उनका कोई समाचार न मिलने से व्याकुल थे। जब उनके दूत ने बताया कि जनक के दूत द्वार पर आये हैं। वह आपसे मिलना चाहते हैं। तो उन्होंने उनको जल्दी से अपने पास बुलाया।

जब दूतों ने उनको जनक का निमंत्रण पत्र दिया तो उसे पढ़कर वे फूले नहीं समाये। उन्होंने अपने पुत्रों के बारे में पूछा तो जनक के दूतों ने उनको धनुष यज्ञ की पूरी कहानी सुनाते हुए उनके यश प्रताप का गुणगान किया। यह सुनकर दशरथ ने उनको नेग - न्योछावर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी गुरु वशिष्ठ समेत अपने सभी रानियों को दिया। जिस समय दशरथ निमंत्रण पत्र पढ़ रहे थे उसी समय भरत भी वहां पहुंचे और उन्होंने पूछा कि यह पत्र कहां से आया है। जिस पर दशरथ ने उनको पूरी बात बताई और उनसे श्रीराम के विवाह की तैयारी करने के लिए कहा। बारात की तैयारी होने के बाद सभी हाथी, घोड़े, डोली, रथ आदि पर बैठकर बैंड बाजे के साथ जनकपुर के लिये चल दिये। बारात

रामलीला में आज भी होता है डोली का प्रयोग

रामनगर। यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में आज भी तीन दशक पहले प्रचलन में रहने वाली डोली का प्रयोग होता है। जिसमें दशरथ की रानियां बैठकर राम के बारात में जनकपुर जाती हैं। आज से लगभग तीन दशक पहले इन डोलियों का प्रयोग शादी विवाह के अवसर पर दूल्हा दुल्हन को ले जाने के लिए होता था। जो समय के साथ धीरे-धीरे विलुप्त हो गया। अब डोलियों के स्थान पर आज शादी ब्याह में दूल्हा दुल्हन को ले जाने के लिए एक से बढ़कर एक लज्जरी कार का उपयोग किया जाता है। लेकिन इन पुराने साजो समान का आज भी रामलीला में उपयोग होते देखा जा सकता है।

श्रमजीवी और उधना-दानापुर एक्सप्रेस में महिलाओं का जेवर और पैसे चोरी

श्रमजीवी एक्सप्रेस और उधना-दानापुर एक्सप्रेस में सफर के दौरान महिला यात्रियों से कीमती जेवर एवं पैसे समेत पर्स चोरी का मामला सामने आया है। आरा एवं दानापुर रेलवे पुलिस की ओर से स्थानांतरित दोनों मुकदमों को जीआरपी कैंट ने पंजीकृत कर लिया। अब संदिग्धों की तलाश में टीम गठित कर दी गयी है। गाड़ी संख्या-२०९३३ उधना-दानापुर एक्सप्रेस के ए- १ बोगी में घटना की शिकार समस्तोपुर (बिहार) निवासी पूजा भारती ने लिखित शिकायत पत्र में बताया कि वह गत २१ जुलाई को उधना से दानापुर की यात्रा कर रही थी। अगले दिन सुबह ट्रेन वाराणसी जंक्शन पहुंची, तो उनका लेडिज पर्स चोरी हो गया। बताया कि पर्स में सोने की चेन, कान का बाला, अंगूठी, मंगलसूत्र, चांदी का पायल एवं कॉस्मेटिक के सामान रखे थे। इसी तरह गत सात जुलाई को गाड़ी संख्या-१२३९२ श्रमजीवी एक्सप्रेस के बी - ३ बोगी की महिला यात्री को उचक्यों ने अपना निशाना बनाया। भोजपुर (बिहार) की रहने वाली रजिया बेगम के अनुसार वह परिवार के साथ लखनऊ से बिहटा जा रही थी। वाराणसी जंक्शन पर ट्रेन पहुंचने पर उन्हें अपना बैग चोरी होने की जानकारी हुई। बताया कि बैग में २० हजार रुपये नकदी और मोबाइल फोन रखा था। इसकी शिकायत रेलवे हेल्पलाइन नंबर १३९ पर भी की गयी।

नदेसर में साड़ी के शोरूम का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर में बनारसी सिल्ट साड़ी की दुकान का ताला तोड़कर करीब २० लाख रुपये की साड़ियां ले जाने के आरोप लगाते हुए संचालक रियाजुद्दीन ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने आरोपित पर दुकान पर कब्जा जताने, गाली-गाली और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। रियाजुद्दीन के द्वारा कैंट पुलिस को दी गयी तहरीर में जिक्र है कि उन्होंने डॉक्टर अनंत नारायण सिंह के अधिकृत प्रतिनिधि से दुकान तीन वर्ष के लिए किराये पर ली है। किरायेदारी का दस्तावेज नौ सितंबर २०२५ को सब रजिस्ट्रार कार्यालय प्रथम में पंजीकृत हुआ था। उन्होंने दुकान के सज्जीकरण और फर्नीचर पर करीब ९० लाख रुपये खर्च करने की बात कही है। आरोप है कि मंगलवार की रात दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखी करीब २० लाख रुपये की साड़ियां निकाल ली गयी। सुबह जानकारी मिलने पर पहुंचने पर आरोपित ने दुकान पर अपना अधिकार जताया और विरोध करने पर धमकी दी। रियाजुद्दीन ने सामान बरामद कराने और प्राथमिकी दर्ज कर काररवाई की मांग की है। कैंट पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर जांच कर आवश्यक काररवाई की जायेगी।

एडिशनल सीपी ने कैंट थाने का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था शिव हरि मोषा ने बुधवार को कैंट थाने का निरीक्षण कर पुलिसिंग और थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अभिलेखों समेत विभिन्न बिंदुओं की जांच की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। थाना परिसर में गंदगी मिलने पर आपत्ति जताते हुए साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। साथ ही पुराने भवन के रखरखाव और मरम्मत के लिए भी प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के कार्यालय, अभिलेखों और परिसर की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने पुलिससकर्मियों को फरियादियों की शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करने और क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुराने भवन की स्थिति का जायजा लेते हुए उसके रखरखाव और जरूरी मरम्मत कार्य कराने पर भी जोर दिया। बेहतर कार्य के लिए डीआईजी ने एसआई आशुतोष



प्रसन्न हुए। सखिया दूल्हा दुल्हन को कोहबर में ले गयी। वहां राम की आरती उतारी उसके बाद वर को जनवासे में भेज दिया। यह देख देवता जय जय कार करने लगे। यहीं पर भगवान के आँठों स्वरूपों की आरती सुनयना ने किया, इसी के साथ छठवें दिन की लीला संपन्न हुई।

बारातियों ने चछा चूड़ा, दहीका स्वाद

रामनगर। यहां की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में बुधवार को सायंकाल अयोध्या से जनकपुर बारात के पहुंचने पर बरातियों का स्वागत चूड़ा दही से हुआ। रामलीला की परंपरा के अनुसार बारातियों को चूड़ा दही खाने के लिए दिया जाता है। पहले सभी बारातियों को दिया जाता है जिसमें रामलीला प्रेमी भी शामिल होते थे लेकिन आज सिर्फ रामलीला के जो पात्र बारात में जाते हैं उन्हीं को ही दिया जाता है। बदलते समय और महंगाई की मार के चलती ही यह असर रामलीला पर हुआ। ऐसी रामलीला प्रेमियों के बीच चर्चा रही।

क्षय मुक्त काशी – निरोग काशी

क्षय रोग (TB) के लक्षण

समुचित आहार लेने पर भी शरीर का वजन कम होना। * भूख न लगना, अरुचि होना। * दो हफ्तों से अधिक समय तक छाँसी का ठीक न होना। * गहरी सांस लेने, छोटने, छींक या हँसी आदि से छाँसी में चुपन सा दर्द। * थोड़ा श्रम करने से भी थकना। * हल्का बुखार जो बना रहे। * प्युष से बलगम के साथ रक्त आना। * घले में गाँठ का तीन सप्ताह से अधिक समय तक बने रहना।

क्षय रोग उन्मुलन हेतु

सामाजिक संस्था संकल्प द्वारा 26 वर्षों से अनवरत चलने वाला शिविर/अभियान **क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी** डॉ० अश्विनी जैन क्लिनिक,मलदहिया, वाराणसी से प्रत्येक कार्यदिवस में संचालित है।

चिकित्सक

डॉ० हार्पट जेन डॉ० आंचल अग्रवाल (नैन) सहयोग

आज

कई छात्रासल गुलाबचन्द सर्राफ

कोते, कुटुम्ब व हरे के अग्रणीों का उत्कृष्ट संकेत, चांदी के कलश, सोते व चांदी के सिक्कों स्वरूप इस रस्सी की दिशात नृकला उपकरण

(कलश छोड़ें ताला फेंकें हलें) श्रमार्थ करण क्षम - क्षम

चौदी शिव प्रति किलो-सिक्का प्रति सैकड़ा-सोना स्टैण्डर्ड 10 ग्राम-सोना 22 कैरट प्रति 10 ग्राम-

2,25,000/-2,63,000/-1,47,500/-1,38,600/-

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

सं.- RS-ISO-DDU-25R3 दिनांक25.09.2026 व.नं.यौ.अभि/समाहि/पू.म.रे. डीडीयू, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निर्मालिखित कार्य हेतु अनुषंगी, सखम तथा इन्धुक् एजेंसी केदेदार से खुली ई-निविदा (एकल पैकेट प्रणाली) सं. RS-ISO-DDU-25R3 दिनांक23.09.2026 के लिए आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्न है: 1.कार्य का विवरण: बैगन केसर सेन्टर (बल्नूसीसी) और डाउण रिसेशन यार्ड (डीआरवाई)/डीडीयू का आईएसओ प्रमाणन। 2. कार्य का अनुमानित मूल्य: रु.7,44,947.74/- (सात लाख चौआलीस हजार नौ सौ सैतालीस एवं चौहत्तर पैसे मात्र) 3. बरोहर राशि: रु.14,900/- (चौदह हजार नौ सौ मात्र) 4. निविदा फार्म जमा करने तथा निविदा खुलने का समय एवं तिथि: ई-निविदा दिनांक 03.09.2026 से 14.10.2026 तक, समय 15:00 बजे तक। 5. बैकसाईट एवं सूचना बोर्ड विसर पर यह सूचना उपलब्ध रहेगी तथा निविदा फार्म खरीदने का पता: IREPS website: www.irepsgov.in पर उपलब्ध होगी, इसके अतिरिक्त Manual Offer स्वीकार नहीं किया जायेगा।। नोट: विस्तृत जानकारी हेतु कृपया निविदा फार्म देखें।

व.नं.यौ.अभि/समाहि/पू.म.न्य.रेल, डीडीयू पौआर/021/डीडीयू/सीएफडब्ल्यू/टी/26-27/36

